1079 1054 1000 RS.

INDIA NON JUDICIAL

१000 रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(3)
20-10-08

सिप्रियन किन्डो
20/10/08

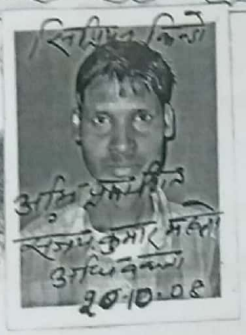

[illegible] ब्रांद [illegible]
द्वारा [illegible] को [illegible]
46 I pro ©
[illegible]
[illegible] 1899 की अनुसूची
[illegible] 1 के [illegible] 23 I A With the Permission
[illegible] By L.R. D.C. Simdega vide
[illegible] case No 104/2008-09
[illegible] नहीं ।। order dt. 02.7.08

[illegible] अधिकारी
20.10.08

§1§ लेख्यकारी:- श्री सिप्रियन किन्डो पिता स्व0 तिन्तुस किन्डो, जाति- उराँव, पेशा- खेतीबारी, साकिन मौजा- गोतरा ठाकुरटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

...... विक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 752/2008

सुरेश केरकेट्टा पि.- स्व. मंगरा केरकेट्टा
ग्राम - गोतरा ठाकुरटोली, थाना+जिला
सिमडेगा
20/10/08

000772/08

क्रमांक 2538 ता० 18/9/08

नाम श्री सिप्रियन किन्डो, गोतरा ठाकुर टोली

थाना सिमडेगा - जिला सिमडेगा

वास्ते केवाला कीमत 1000/-

क्रमांक: 2538 से 2544 तक

Sabina Rajendra Singh

एस. आर. सिंह

मुद्रांक विक्रेता

सिमडेगा कोर्ट (सिमडेगा)

अनु० सं० - 4/96

1000 X 2	=	2000
500 X 1	=	500
100 X 3	=	300
50 X 1	=	50
		2850/-

सिप्रियन किन्डो

20/10/08

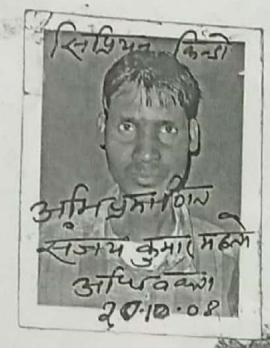

20-10-08 10 to 4

[illegible] के समक्ष निबंधन कार्यालय [illegible] में [illegible] | [illegible]

उनको मुद्राङ्क की सत्य [illegible]

शक्ति संख्या [illegible]

[illegible] के [illegible]

[illegible] है।

श्री / श्रीमती सिप्रियम किन्डो

पिता / पति स्व० तिन्तुस किन्डो

[illegible] गोतरा थाना [illegible] सिमडेगा

ठाकुरटोली

[illegible]

20-10-08

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

§2§ लेख्यधारिणीः- श्रीमति पार्वती देवी पति श्री दलभंजन भोय जाति- गोंड़, पेशा- गृहिणी, निवास ग्राम- सिकरियाटांड़ टोला- बागडांड़, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेतिका ।

शपथ-पत्र संख्याः- 753/2008

§3§ लेख्यप्रकारः- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

§4§ मूल्यः- मोंबलिग एकहत्तर हजार रूपये अंके 71,000/- रूपये होता है ।

§5§ सम्पतिः- एराजियात अन्दर मौजा- गोतरा ठाकुरटोली थाना- सिमडेगा, थाना नं0 80, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं0 120 §एक सौ बीस§ प्लॉट नं0 4996 §उनचास सौ छियानबे§ रकबा 1.66 एकड़ में से 0.04 एकड़ §चार डिसमिल§ आवासीय जमीन ।

जिसकी चौहद्दीः-

उत्तरः- बिपिन किन्डो का बारी ।

दक्षिणः- इसी प्लॉट का अंश रास्ता ।

पूरब :- इसी प्लॉट का अंश रास्ता ।

मिथिलन किंडो
20/10/08

Pramod Ajay Kindo
S/o Edmon Kindo
Vill- Gotra Thakurtoli
P.S/Dist- Simdega 20/10/08

Scanned with CamScanner

500Rs.

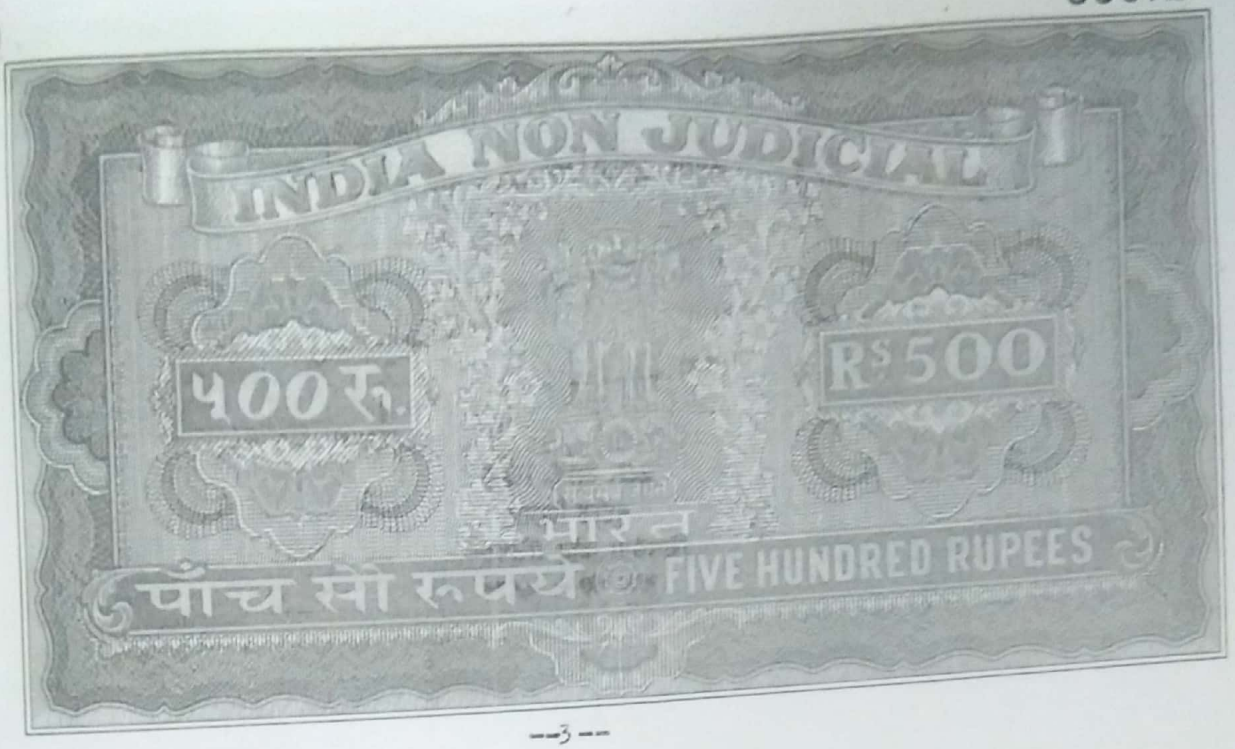

पश्चिमः - इसी प्लॉट का अंश नीज विक्रेता टांड़ ।

मालगुजारी 2 पैसा (दो पैसा) अलावे सेस मलाना ।

(1) चूँकि मुझ लेख्यकारी को मकान निर्माण हेतु एवं अन्य दीगर घरेलू खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार की ।

20/10/08

(2) इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

(3) मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि विक्रीत वर्णित जमीन खतियानी है खतियान में मेरे परदादा बलकू उराँव के नाम से नाप दर्ज है । उक्त जमीन उत्तराधिकारी के हैसियत से आपसी मौखिक बैशादि बँटवारे में मुझे हिस्से में मिली है जो मेरे निज हिस्से की जमीन है जिसपर

100 Rs.

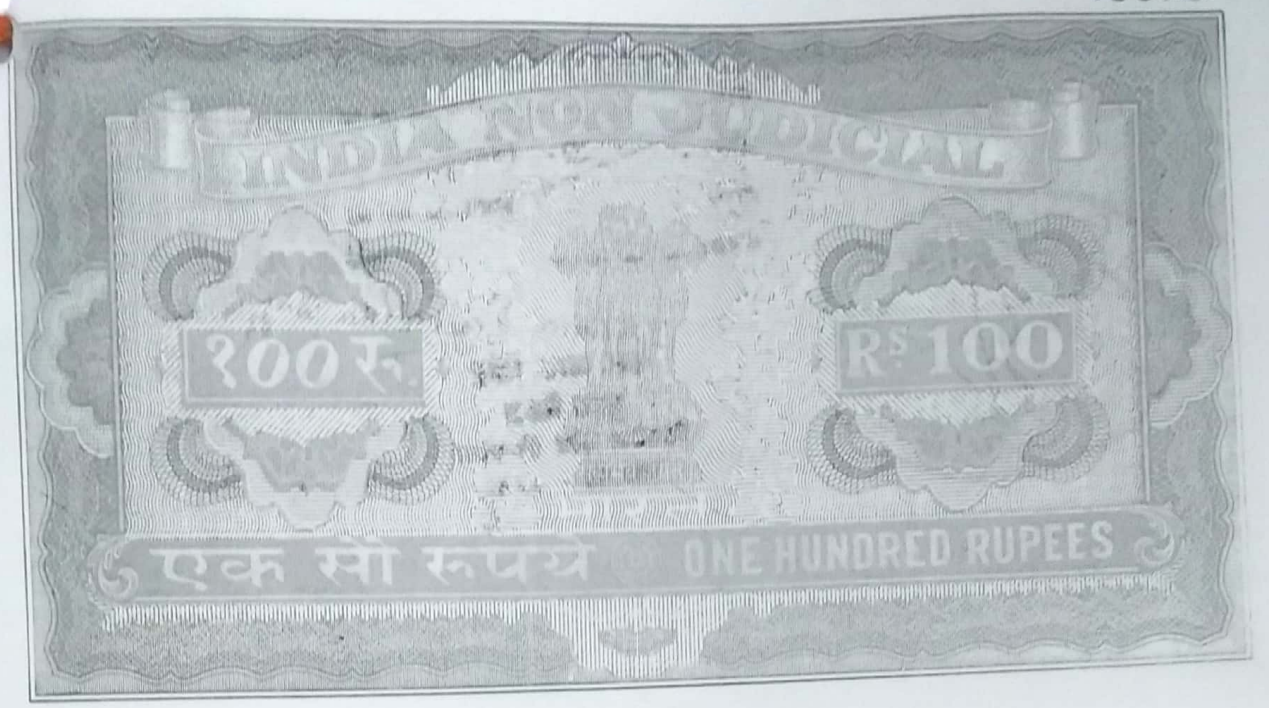

मेरा निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है और किसी प्रकार का वाद या झगड़ा झंझट नहीहै ।

(4) चूँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद संख्या 104/2008-2009 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 2. 7. 08 को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं0 771 दिनांक 02. 07. 2008 है ।

सिप्रियन किंडो
20/10/08

(5) अब चाहिए कि लेख्यधारिणी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

(6) इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला बैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

Scanned with CamScanner

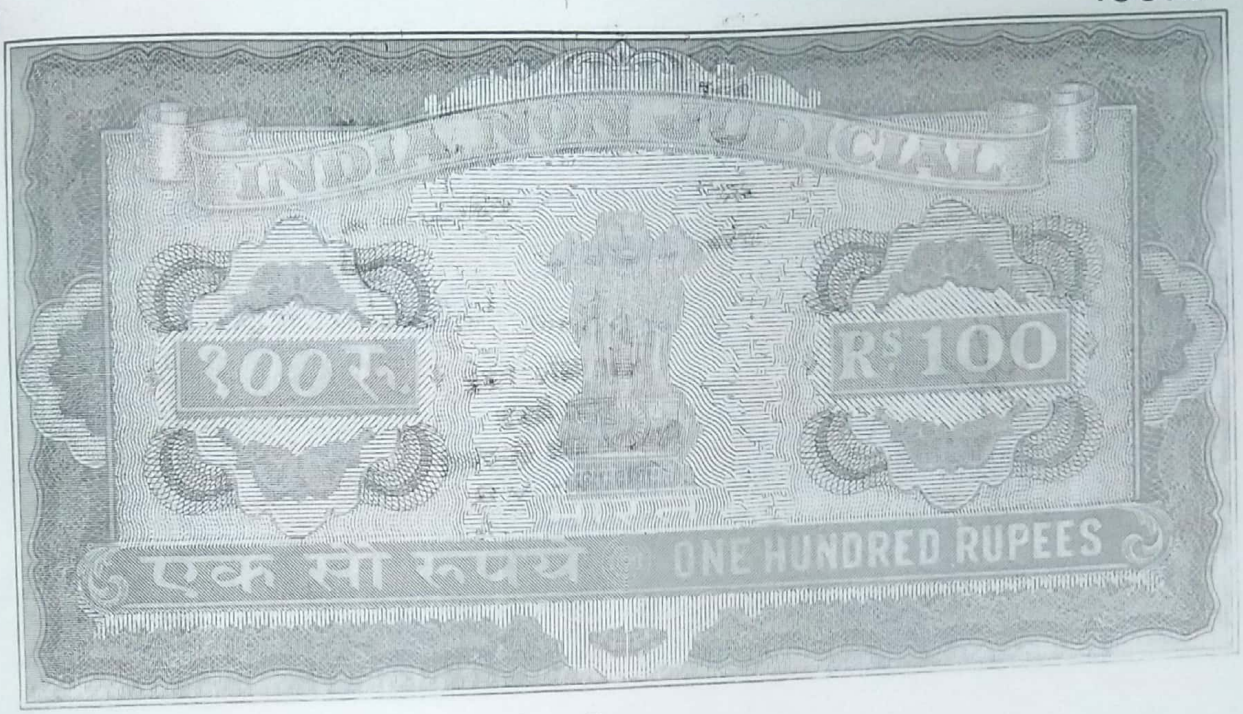

INDIA NON JUDICIAL

१००रु. Rs 100

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

मैं लेखकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।

सिप्रियन किन्डो
20/10/08

सिप्रियन किन्डो
20/10/08

प्रमाणित किया जाता है कि लेखकारी के बांये हाथ का पांचों अंगुलियां का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
20.10.08

Scanned with CamScanner

100Rs.

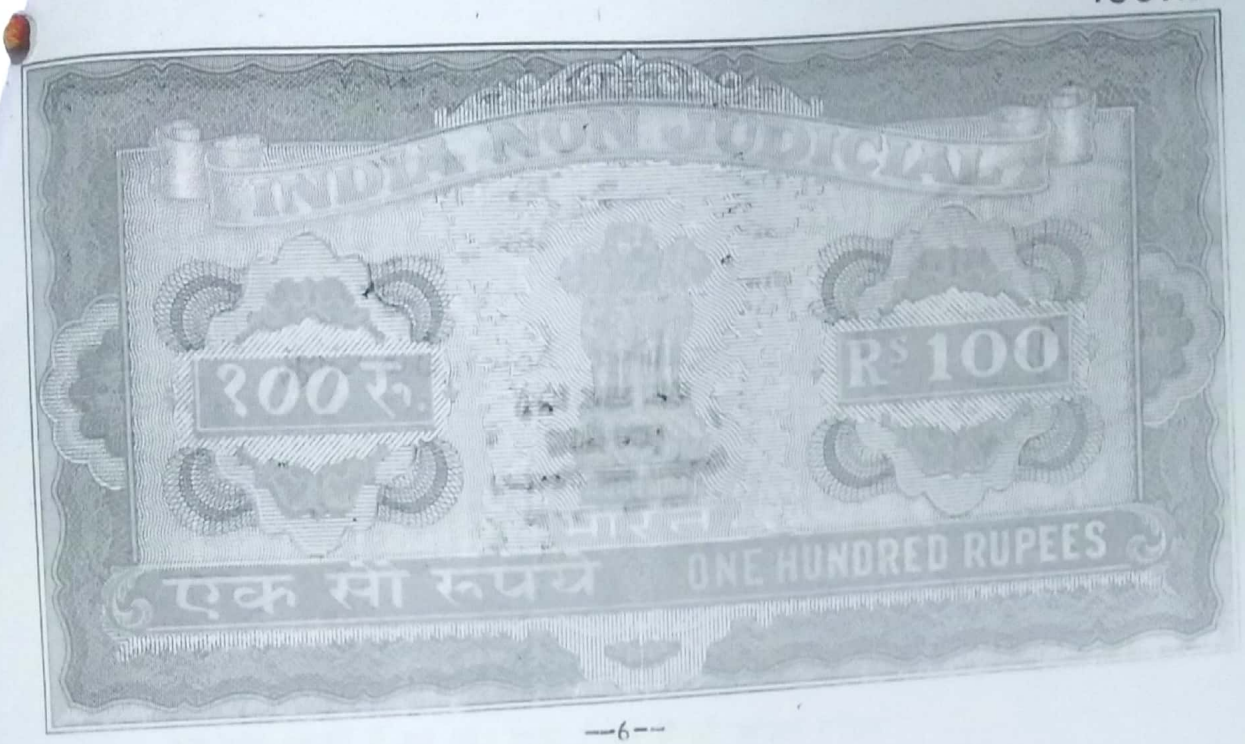

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन को खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

पार्वती देवी

20-10-2008

निष्पादन किया
20/10/08

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारिणी के बांये हाथ का पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया है।

संजय कुमार महता
अधिवक्ता
20.10.08

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना को समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
प्रारूपकर्त्ता
तारीख:- 20.10.08

Scanned with CamScanner

50 Rs.

--7--

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल सात पृष्ठों में कुल 586 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्शा सहित है ।

टंकक

20-10-2008

मो0 मकसुद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।

20/10/08